A National seminar-cum Rajyoga Retreat for delegates of Transport, Travel and Tourism sectors was jointly organised and hosted by **Transport & Travel Wing** of Rajyoga Education & Research Foundation and **Prajapita Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya** at **Academy for a Better World**, Gyan Sarovar, Mount Abu from **15th to 19th July, 2008**. Theme of this seminar was

"Spiritual Applications for Safety Solutions"

The Inaugural session started with a beautiful Welcome song by Madhurvani Group and high spirited, motivating and heart touching Welcome Address of **BK Om Prakash**, Chairperson of Transport & Travel Wing (TTW). The Guest of Honour for inaugural session were **Bro. B. N. Waghmare**, Chief Claims Officer, Central Railway, Mumbai, **Bro. Dr. P. L. Bankar**, Chief Personnel Officer, West Central Railway, Jabalpur, **Bro. Vipin Bhargav**, President, Municipal Council, Mandideep; **BK Divya Prabha**, National Coordinator, TTW, explained the Objectives of this National Seminar and **Rajyogini Dadi Ratan Mohini**, Joint Chief of Brahma Kumaris blessed the occasion with inpiring words of wisdom.

This seminar consisting of 5 Technical Session, 5 Meditation sessions, 5 Insight Groups, 1 Panel session, Inaugural and Valedictory sessions alongwith Daily Physical Exercise and other interesting sessions was a very successful event. About 850 representatives of Transport, Travel, Tourism and allied sectors participated with lot of zeal and enthusiasm in the seminar. Some of the interesting topics covered in this seminar were:

- **Spiritual Rules -- Safety Tools**
- **Customer Delighting Tips**
- **Maintaining Motivation**
- **No Complaint Approach**
- **Self Discipline Culture**
- **De-Addiction**
- **Minimizing Hazards at Workplace with Spiritual Approach**
- **Respectful Relationships**
- **Shaping Ourselves to Perform Better**
- **Creativity for Innovation**
- **Tips for Enhancing Concentration**

After 4 days of delebrations an **Action plan** was prepared and declared to put in practical life.

Following are the points agreed upon to make Life safe and value based through application of spirituality:

* To make our lives Self-disciplined and for shaping our mind in right direction, we will adopt values in personal life.
* To be spiritually empowered we shall practice Rajyoga Meditation daily.
* Shall adopt the slogan - '***Be good, Do good, Feel good***' in practical life for overall improvement of the self and society.
* Shall denounce addiction of any kind causing harm to health and economy and empower of the Self.
* Shall follow the principle of 'Self help is the Best help'. Shall have a self-check in life, review daily routine at bed-time and shall empower ourselves to avoid repetition of mistakes.
* Shall take a pledge to give up bad habits and motivate our fellow being also for this purpose.
* Shall write positive thoughts and read them frequently to reaffirm and to make a positive life style.
* Shall use spiritual tools for purity in thoughts and behaviour.
* Shall have harmony at thought level and behavioural level to make our family happy and homogeneous
* Shall sit together to exchange ideas and to develop love among family members.
* Shall become Role Model for children by making a value based life in practical.
* Shall not enforce our 'Likes and Dislikes' on our children to let them freely develop their potential.
* Shall groom the children as per their aptitude and talent to make them responsible citizen.
* Shall charge the environment of workplace positively by having strong positive thoughts and practice of meditation during work.
* Shall use Spirituality for Excellence in life as Excellence is the essence of successful life.
* For success in profession, we shall provide **Q**uality **S**ervice to the customers with innovative techniques.
* Shall give patience listening to all those who come in our contact and have good behaviour with everyone.
* Shall put slogan "*Service with Smile*" into practice to improve professional goodwill and relations with colegues.
* To resolve conflicts we shall use spiritual knowledge and meditation technique.
* Shall become responsible citizens and do collective effort for unity and goodwill in society.
* Shall have proper communication to avoid conflicts and to help at the time of need.
* We shall do efforts to organise such seminars in our area and devote time/ money to help others.

Omshanti

राजयोग ऐज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के **यातायात एवं परिवहन प्रभाग** तथा **प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय** के संयुक्त तत्वाधान में **ज्ञान सरोवर परिसर** में **यातायात, परिवहन तथा पयर्टन व्यवसाय के प्रनिनिधियों के लिए** राष्ट्रीय संगोष्ठि का **15 जुलाई से 19 जुलाई, 2008** तक आयोजन किया गया, जिसका विषय था:

सम्पूर्ण सुरक्षा के लिए आध्यात्मिकता

मधुरवाणी ग्रुप के प्रेरक स्वागत गीत तथा यातायात एवं परिवहन प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी **भ्राता ओमप्रकाश** के मर्मस्पर्शी व प्रेरक स्वागत उद्‌बोधन के साथ उद्‌घाटन समारोह का प्रारम्भ हुआ। इस संगोष्ठि के उद्‌घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि थे - **भ्राता बी. एन. वाघमारे**, चीफ क्लेम्स ऑफिसर, सेन्ट्रल रेलवे, मुम्बई; **भ्राता डा. पी. एल. बनकर**, चीफ पर्सनल ऑफिसर, वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे, जबलपुर तथा मण्डीदीप म्युनिसिपल कॉउसिंल के अध्यक्ष **भ्राता विपिन भार्गव**। इस अवसर पर प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका **दिव्या प्रभा बहन** ने सेमीनार का उद्देशय स्पष्ट किया तथा ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका **राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी** ने आर्शीवचन प्रदान किये।

यह संगोष्ठि 5 वर्कशॉप, 5 मेडिटेशन सैशन, 5 टेकनीकल सैशन और **उद्‌घाटन** तथा **समापन** समारोहों एवं पेनल सेशन सहित विभिन्न सत्रों के आयोजन के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इसमें भारत के यातायात, परिवहन तथा पयर्टन व्यवसाय के लगभग 850 प्रनिनिधियों ने भाग लिया। 4 दिन तक विचार विमर्श व ज्ञान मंथन हुआ व सर्वसम्मत कार्ययोजना बनायी गयी।

सभी प्रतिनिधियों ने अपने जीवन को सुरक्षित तथा मूल्यनिष्ठ बनाने के लिए आध्यात्मिकता के प्रयोग एवं मूल्यों के समावेश के लिए एक कार्य योजना बनाने का लक्ष्य लिया। जिन बिन्दुओं पर सहमति हुई वह इस प्रकार है:

* जीवन को **स्व-अनुशासित** बनाने तथा मन को सही दिशा देने के लिए व्यक्तिगत जीवन में मूल्यों को समाहित करेंगे।
* राजयोग ध्यान का नियमित अभ्यास करेंगे और स्वयं को सशक्त बनायेंगे।
* **स्व-मदद, सर्वोत्तम मदद** के सूत्र का अनुसरण करते हुए रात्रि विश्राम से पूर्व ईश्वर का ध्यान कर पूरे दिन की दिनचर्या का मूल्यांकन करेंगे, आने वाले दिन में स्वयं मे सुधार के प्रयास करेंगे।
* धन-समय व स्वास्थय के लिए हानिकारक खराब आदतों व व्यसनों का त्याग करने की प्रतिज्ञा लेंगे, दूसरो को प्रेरित करेंगे।
* कुछ सुन्दर सकारात्मक विचार लिखकर रखेंगे और उन्हें बार-बार दोहराते हुए सकारात्मक जीवन पद्वति अपनायेंगे।
* **अच्छा बनो, अच्छा करो व अच्छा अनुभव करो** का सूत्र अपनाकर विचार व व्यवहार में पवित्रता व मानवीय मूल्यों को धारण करेंगे ताकि स्वयं की तथा समाज की निरन्तर प्रगति हो सके।
* एक साथ बैठकर विचारों का आदान प्रदान करेंगे ताकि वैचारिक मतभेद के कारण रूकावट पैदा न हो। एक दूसरे की बात को ध्यान से सुनेंगे। प्यार की भावना को बढ़ायेंगे।
* परिवार को एक सुन्दर व सुखद परिवार बनाने के लिए हम वैचारिक एवं व्यवहारिक स्तर पर समरसता लायेंगे।
* अपने व्यवहारिक जीवन द्वारा बच्चों को मूल्यनिष्ठ जीवन बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। रोल मॉडल बनेंगे।
* बच्चों की रुचि व योग्यता के अनुसार उन्हें पढ़ायेंगे तथा अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा देंगे। उन पर अपनी ***पसंद व नापसंद*** नहीं थोपेंगे बल्कि उनकी नैसर्गिक क्षमता विकसित करने में सहयोग देंगे।
* कार्यस्थल में अपने सकारात्मक विचारों तथा मेडीटेशन के अभ्यास द्वारा सकारात्मक वातावरण बनायेंगे।
* व्यवसाय में सफलता के लिए नई प्रोद्योगिकी तथा तकनीक का प्रयोग करेंगे और ग्राहको को अच्छी क्वालिटी की सेवा प्रदान करेंगे और साथियों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
* **सर्वीस विद स्माइल** के स्लोगन को व्यवहार में लायेंगे। इससे साथियों से सम्बन्ध अच्छे होंगे तथा व्यवसाय वृद्धि में भी मदद मिलेगी।
* मतभेदों को आपस में मिलकर समाप्त करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान व ध्यान की विधि को प्रयोग करेंगे।
* कार्यस्थल पर अपने साथियों के साथ व्यवहार अच्छा बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे।
* समाज में जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करते हुए सामाजिक शान्ति व सद्‌भावना के लिए प्रयास करेंगे।
* सर्व के प्रति न्याय व विश्व शान्ति के लिए निरन्तर प्रयास करते रहेंगे। इस प्रकार के प्रवचनों का लाभ लेने का प्रयास करेंगे।
* दूसरों की मदद करने के लिए आपस में सूचनाओं का आदान प्रदान करेंगे तथा अपना समय भी दूसरों की मदद के लिए देंगे।
* इस प्रकार के सेमीनार व सम्मेलनों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जाये, ऐसा प्रयास करेंगे।

ओम् शान्ति।